iii. वर्ग-1 (सीधे प्रवेश : Direct Admission) के अन्तर्गत मैरिट के आधार पर प्रवेश हेतु चयन होने पर संबद्ध अभ्यर्थी की प्रवेश-परीक्षा के आधार पर तैयार प्रवेश सूची पर विचार नहीं होगा। भले ही उसका नाम प्रवेश-परीक्षा के आधार पर तैयार वरीयता सूची में दर्शाया गया हो।

iv. वर्ग-1 एवं वर्ग-2 के अंतर्गत होस्टल में प्रवेश लेने के इच्छुक सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश-परीक्षा देना अनिवार्य है। प्रवेश-परीक्षा के अंकों के आधार पर ही होस्टल के संबंध में उनका वरीयताक्रम (मैरिट) निर्धारित किया जाएगा।

v. प्रवेश के लिए ऊपर दी गई न्यूनतम अर्हताओं के अलावा अभ्यर्थी द्वारा स्वयं को प्रवेश के योग्य प्रमाणित करने के लिए प्रवेश-परीक्षा में कम-से-कम 40% (सामान्य श्रेणी) अंक प्राप्त करने होंगे, इससे कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश के योग्य नहीं माना जाएगा तथा अनुसूचित जाति/जन-जाति/विकलांग और अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अभ्यर्थियो के लिए प्रवेश-परीक्षा में न्यूनतम अंकों में दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार छूट दी जाएगी। प्रवेश-परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर उपलब्ध सीटों पर कॉलेज की प्राथमिकता क्रम से ही प्रवेश दिया जाएगा।

vi. प्रवेश-प्रक्रिया दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार पूर्ण की जाएगी।

vii. प्रवेश-परीक्षा पाठ्यक्रम इस प्रकार है - प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थी की भाषा-क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। इस क्षमता में अभ्यर्थी की बोध शक्ति के साथ-साथ लेखन कौशन और 10वीं शताब्दी से लेकर 20वीं शताब्दी तक के हिंदी साहित्य की सामान्य जानकारी अपेक्षित होगी परीक्षा 100 अंकों की होगी जिसके दो भाग रहेंगे। पहले भाग में मुख्य रूप से वस्तुनिष्ट प्रश्न पूछे जाएंगे जबकि दूसरे भाग में लघुत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। प्रश्नपत्र की अवधि दो घंटे की होगी



## स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद उपाधिपत्र पाठ्यक्रम

### 1. प्रवेश योग्यता

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय या अन्य किसी मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर [(10+2+3) पद्धति] की परीक्षा में उत्तीर्ण
(1) बी.ए. (पास)/बी.ए. प्रोग्राम
(2) बी.ए. (ऑनर्स)
(3) बी.कॉम (पास)/बी.काम
(4) बी.कॉम (ऑनर्स)
(5) बी.एस.सी. (जनरल)
(6) बी.एस.सी. (ऑनर्स)

(ख) हिन्दी भाषा में स्नातक स्तर की अपेक्षित दक्षता।

(ग) अंग्रेज़ी भाषा में स्नातक स्तर की अपेक्षित दक्षता।

### आवेदन-पत्र

(क) स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद उपाधिपत्र की प्रवेश-परीक्षा के आवेदन-पत्र प्रतिवर्ष जून माह को घोषित तिथि से विभाग/अनुभाग के कार्यालय से मात्र **पचहत्तर (75)** रुपये के नकद भुगतान करने पर प्राप्त किए जा सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों के स्नातक/स्नातकोत्तर कक्षा के परीक्षा-परिणाम आवेदन करने की अन्तिम तिथि तक घोषित न हुए हों, वे भी अपना आवेदन-पत्र अनुभाग कार्यालय में अवश्य जमा करा दें और स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा परिणाम आते ही अपने उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र प्रवेश लेने की अन्तिम तिथि तक अवश्य प्रस्तुत कर दें, अन्यथा वे प्रवेश-योग्य नहीं समझे जाएंगे।

(ख) आवेदन-पत्र के साथ भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा में देय **प्रवेश-परीक्षा शुल्क रु. 450/-** (चार सौ पचास रुपये) का बैंक ड्राफ्ट **'रजिस्ट्रार, दिल्ली विश्वविद्यालय'** के नाम संलग्न करें।

(ग) प्रत्येक अभ्यर्थी को आवेदन-पत्र के साथ पासपोर्ट आकार की अपनी दो अधुनातन सत्यापित फोटो, कार्यालय में देनी होंगी।

(घ) आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाणपत्रों की स्वयं सत्यापित फोटोस्टेट प्रतियाँ संलग्न करनी होंगी :

- माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा का प्रमाणपत्र।
- उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा का प्रमाणपत्र।
- स्नातक स्तर की परीक्षा का प्रमाणपत्र।
- स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा का प्रमाणपत्र।
- अन्य शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र।
- अनुवाद-पाठ्यक्रम संबंधी कोई परीक्षा/कार्यानुभव का मूल प्रमाणपत्र।

(ङ) आवेदन-पत्र अभ्यर्थी स्वयं भरें।

(च) किसी भी स्थिति में ठीक से न भरे हुए अथवा अधूरे आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

## 3. प्रवेश परीक्षा

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक सभी अभ्यर्थियों को विभाग द्वारा घोषित तिथि को निर्धारित समय पर प्रवेश-परीक्षा देनी होगी। इसके दो भाग होंगे - लिखित और साक्षात्कार। लिखित परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकृति का एक प्रश्नपत्र 150 अंक का होगा और साक्षात्कार 50 अंक का। दोनों परीक्षा खंडों में प्राप्त अंकों के आधार पर अभ्यर्थी की वरीयता क्रम सूची बनेगी। तद्नुसार प्रवेश की अर्हता के आधार पर विद्यार्थी को पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा।

| **लिखित परीक्षा** | **150 अंक** | **समय 3 घंटे** |
|---|---|---|
| खंड-क | सामान्य ज्ञान | 50 अंक |
| खंड-ख | हिन्दी भाज़ा | 50 अंक |
| खंड-ग | अंग्रेज़ी भाज़ा | 50 अंक |

लिखित परीक्षा में खंड (क) सामान्य ज्ञान के अन्तर्गत समसमायिक, साहित्यिक, सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक गतिविधियों के साथ ही साथ ज्ञान के अन्य क्षेत्रों का सामान्य बोध अपेक्षित है। खंड (ख) हिन्दी भाषा और खंड (ग) अंग्रेज़ी भाषा में व्याकरण के साथ-साथ अनुवाद व्यवहार संबंधी पूछे जायेंगे।



### साक्षात्कार

**अंक 50**

प्रवेश की लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर योग्य पाये गये अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार में अभ्यर्थी के हिन्दी/अंग्रेज़ी भाषा में वाचन/बोध और बोलने की क्षमता की परीक्षा होगी। लिखित और साक्षात्कार के प्राप्तांकों के योग से सफल अभ्यर्थियों की सूची, विभाग और अनुभाग के सूचना-पटल पर लगाई जाएगी।

### आरक्षण

अनुसूचित जाति, जनजाति और विकलांग अभ्यर्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार आरक्षण दिया जाएगा।

अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण से संबंधित सूची बेवसाइट **http:/ncpc.nic.in/backwardclass/index.html** पर उपलब्ध है। केंद्रीय राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा अधिसूचित उपरिलिखित सूची (वेबसाइट) में वर्गीकृत अभ्यर्थियों को ही इससे संबंधित सुविधाएँ मिलेंगी।

### शैक्षणिक सत्र

स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों की कक्षाएँ 23 जुलाई से शुरू होंगी और 15 मार्च तक कक्षाएँ चलेंगी। कक्षाएँ अपराह्ण 2.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक होंगी।

### उपस्थिति

प्रत्येक विद्यार्थी की उपस्थिति नियमित रूप से अपेक्षित है। वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कुल उपस्थिति में से 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। यथेष्ट उपस्थिति के अभाव में विद्यार्थी परीक्षा नहीं दे सकेगा।

### अनापत्ति प्रमाणपत्र

किसी संस्था में सेवारत अभ्यर्थी को अपनी संस्था के प्रमुख/प्रभारी/अध्यक्ष/ निदेशक से अनापत्ति प्रमाण पत्र की मूल प्रति आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत करनी होगी। अनापत्ति प्रमाणपत्र का प्रारूप परिशिष्ट में दिया गया है।

## स्थानांतरण प्रमाणपत्र

दिल्ली विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य विश्वविद्यालय/संस्था के छात्रों को अपना स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (मूल प्रति) आवेदन-पत्र के साथ जमा न करवाने पर इस आशय का घोषणा-पत्र देना होगा कि वह स्थानांतरण प्रमाणपत्र 31 अगस्त तक अवश्य जमा करवा देगा, अन्यथा उसका प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

## पुस्तकालय-सुविधा

स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद उपाधिपत्र (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम का अलग से पुस्तकालय है जो अनुवाद-पाठ्यक्रम के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

## अध्यापन-कार्यक्रम

55 मिनट की तीन नियमित कक्षाएँ प्रत्येक कार्य-दिवस में अपराह्न 2.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक होंगी। इन कक्षाओं में अनुवाद के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों से संबद्ध प्रशिक्षण दिया जाएगा। व्यावहारिक अनुवाद के लिए अपेक्षित पाठ अभ्यास के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को दिए जाते हैं। अभ्यास-कार्य कक्षाओं के अतिरिक्त गृहकार्य के रूप में भी दिया जाता है। कक्षा-कार्य के आधार पर विद्यार्थी का आंतरिक मूल्यांकन होता है। इसलिए सत्रावसान के समय प्रत्येक विद्यार्थी को कक्षा-कार्य मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना होगा।

विद्यार्थी कक्षा-अवधि के अतिरिक्त समय में भी परियोजना-कार्य के संबंध में अपने निर्देशक से आवश्यक निर्देश और सहायता ले सकते हैं।

## विशेष व्याख्यान

प्रत्येक वर्ष अनुवाद के विभिन्न पक्षों पर विशेषज्ञों/विद्वानों के लगभग दस से पंद्रह व्याख्यानों की व्यवस्था है।

## अन्य गतिविधियाँ

स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी हिन्दी अनुवाद उपाधिपत्र पाठ्यक्रम में विद्यार्थी समय-समय पर विशेज़ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। 1995-96 के सत्र से 'अनुभाग-दीवार-



पत्रिका' के रूप में 'अनुलेखन पत्रिका' को नियमित रूप से निकाला जा रहा है। वार्षिक अंक के रूप में इस सामग्री को 'अनुलेखन' के रूप में प्रकाशित किया जाता है।

## शुल्क

| | |
|---|---|
| प्रवेश शुल्क | 15.00 |
| विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क | 100.00 |
| विश्वविद्यालय क्रीड़ा शुल्क | 10.00 |
| पुस्तकालय-शुल्क | 12.00 |
| शिक्षण शुल्क | 135.00 |
| पहचान पत्र-शुल्क | 10.00 |
| पुस्तकालय प्रतिमूर्ति (प्रत्यावर्तनीय) | 1000.00 |
| विश्वविद्यालय विकास शुल्क | 600.00 |
| परीक्षा-शुल्क | 500.00 |
| अंक तालिका शुल्क | 100.00 |
| राष्ट्रीय सेवा योजना शुल्क | 20.00 |
| सेक्सुअल हरासमेंट शुल्क | 10.00 |
| प्रोजेक्ट परीक्षा शुल्क | 1000.00 |
| आवेदन पत्र शुल्क | 20.00 |

### शिक्षण शुल्क में छूट का प्रावधान

विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्रतिवर्ष आर्थिक रूप से कमजोर 10 प्रतिशत छात्रों को निःशुल्क (शिक्षण शुल्क) शिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था है।

## स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद उपाधि पाठ्यक्रम

### पाठ्यक्रम

**प्रश्नपत्र-एक अनुवाद सिद्धांत 50 अंक 3 घंटे**

1. अनुवाद - तात्पर्य निर्णय, स्रोत भाषा और लक्ष्यभाषा की अवधारणा
2. अनुवाद के विविध रूप (क) तत्काल भाषांतरण आशु अनुवाद
   (ख) यांत्रिक अनुवाद, मशीनी अनुवाद
   (ग) सृजनात्मक तथा वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद
3. अनुवाद की इकाई - शब्द→पद→पदबंध→वाक्य →प्रोक्ति→पाठ
   भाषिक प्रतीक और अर्थ का सह संबंध
   पर्याय की संकल्पना और अर्थ छवियाँ
   लाक्षणिक प्रयोग
4. अनुवाद प्रक्रिया (क) भाषिक विश्लेषण-संरचनापरक व प्रयोग परक
   (ख) अंतरण
   (ग) पुनरीक्षण
   (घ) पुनर्गठन (संपादन)
5. अनुवाद का भाषिक पक्ष : पाठधर्मिता, भाषा-शैली की समतुल्यता
6. अनुवाद के विविध सिद्धांत



7. अँग्रेजी भाषा और साहित्य से हिंदी में अनुवाद की परंपरा/साहित्य मानविकी विषयों के प्रमुख अनूदित ग्रंथ और अनुवादक

**सहायक ग्रंथ**


1. कैटफोर्ड, जे.सी. : (अनुवाद : डॉ. रविशंकर दीक्षित) अनुवाद के भाषिक सिद्धांत; प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
2. रेड्डी आर.आर : (अनुवाद : डॉ. जे.एल. रेड्डी) : अनुवाद के सिद्धांत, साहित्य अकादमी, मंडी हाउस, नई दिल्ली
3. गोपीनाथन, जी. : अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
4. नगेन्द्र (सं.) : अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
5. सुरेश कुमार : अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. रमानाथ सहाय एवं : हिंदी भाषा का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. Janet Altman, H.: Teaching Interpreting : study & Practice CILT. Publication

8. Nida, E.A. : Towards A Science of Translation, Leiden, E.J. Brill

9. Hutchinson, W.J.: Machine Translation : Past, Present & Future, Ellis Horwood Ltd. London

10. Bloch &Trager : Outline of Linguistic Analysis.

**प्रश्नपत्र-दो अनुवाद सामग्री और उपकरण 50 अंक 3 घंटे**

1. अनुवाद सामाग्री की विविधता - स्वरूप, प्रवृति व समस्याएँ
   (क) सृजनात्मक साहित्य
   (ख) ज्ञान विज्ञान का साहित्य
   (ग) तकनीकी साहित्य
   (घ) सूचनापरक साहित्य

2. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद - विशेषकर कविता, नाटक और कथा साहित्य के संदर्भ में सृजनात्मक तथा वैज्ञानिक साहित्य का प्रवृतिगत अंतर - कथ्यपरक व अभिव्यक्ति परक

3. ज्ञान विज्ञान व तकनीकी साहित्य का अनुवाद (मानविकी और प्रावृतिक विज्ञान के संदर्भ में)

   पारिभाषिक शब्द - प्रकृति, निर्माण व प्रयोग परक वैशिष्ट्य

   कार्यालयी अनुवाद - प्रशासन, बैंक, विधि आदि के क्षेत्र में अँग्रेजी-हिंदी अनुवाद का स्वरूप - सारानुवाद व संक्षेपण कला

4. जनसंचार माध्यम में हिंदी अनुवाद (पत्रकारिता, आकाशवाणी, दूरदर्शन व फिल्म के संदर्भ में) प्रविधियाँ, समस्याएँ व समाधान, विज्ञापन व अनुवाद



5. अनुवाद के उपकरण - कोश, कोश रचना, पारिभाषिक शब्द, कोशों के विविध प्रकार : ज्ञान कोश, शब्दार्थ कोश, मुहावरा-लोकोक्ति कोश, समांतर कोश, उच्चारण कोश आदि, अंग्रेज़ी-हिंदी के प्रमुख उपयोगी कोश ग्रंथ-एकभाषी व द्विभाषी काश हिंदी के विशिष्ट कोण ग्रंथ और उनकी उपादेयता

**सहायक ग्रंथ**

1. नगीनचंद्र सहगल : काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ, हिंदी माध्यम कार्यालय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

2. सुरेश सिंघल : सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद : स्वरूप व समस्याएँ, सार्थक प्रकाशन, गौतम नगर, नई दिल्ली

3. विमलेश कांति वर्मा (सं.): कोश विशेषांक, 'अनुवाद' त्रैमासिक (अंक 94-95 जनवरी, जून 1998) भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली

4. अरविंद कुमार (सं.): हिंदी समांतर कोश, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

5. कृष्ण कुमार भार्गव (सं.): विश्व उच्चारण कश, शालीमार बाग, नई दिल्ली

6. हरदेव बाहरी ( सं. ): बृहत अंग्रेज़ी-हिंदी शब्द कोश, ज्ञान मंडल, वाराणसी

7. रघुवीर ( सं. ) : बृहत अंग्रेज़ी-हिंदी पारिभाषिक शब्द कोश (Comprehensive English- Hindi Dictionary) सरस्वती विहार, हौज खास एनक्लेव, नई दिल्ली

8. सत्य प्रकाश व बलभद्र: मानक अंग्रेज़ी-हिंदी कोश, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागप्रसाद मिश्र

9. मैकग्रेगर, आर.एस. : Oxford Hindi-English Dictionary, Oxford University press Oxford.

10. कार्यालय पद्धति (Mannual of Office Procedure) Ministry of Personal Public Grievances and Pensions.

**प्रश्नपत्र-तीन भाषिक अंतरण 50 अंक 3 घंटे**

**( क ) 15 अंक**

1. भाषिक अंतरण में सावधानियाँ - संरचनात्मक व प्रयोग गत
2. अनुवाद व तत्काल भाज़ांतरण का स्वरूपगत अंतर, तत्काल भाषांतरकर्त्ता के गुण
3. अंग्रेज़ी-हिंदी व्यतिरेकी विश्लेषण
4. अनुवाद का समाजशास्त्र - भाषा का प्रयोगपरक विश्लेषण
5. भाषिक प्रयुक्तियाँ और उनका वैशिष्ट्य - कार्यालयी अनुवाद का संदर्भ



**( ख ) 35 अंक**

1. लगभग तीन सौ शब्दों के दो अँग्रेजी अवतरणों का हिंदी अनुवाद
2. लगभग दो सौ शब्दों के एक हिंदी अवतरण का अँग्रेजी अनुवाद
3. अँग्रेजी-हिंदी अवतरण का सारानुवाद

**सहायक ग्रंथ**


1. सूरजभान सिंह : अँग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रमेश चन्द्र शर्मा : हिंदी-अँग्रेजी वाक्य संरचना, व्यतिरेकी विश्लेषण, अक्षर श्री प्रकाशन, नई दिल्ली
3. गोपीनाथ श्रीवास्तव : कार्यालय अनुवाद निर्देशिका, सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली
4. रीतारानी पालीवाल : अनुवाद की सामाजिक भूमिका, सचिन प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली
5. कैलाश चंद्र भाटिया: अभिव्यक्ति कोश, प्रभात प्रकाशन, आसफअली रोड, नई दिल्ली
6. Paul K. : Training the Translator, John Benjamin. Publishing Company
7. New Mark, Peter: A Text Book of Translation, Library of congress cataloguing in publication Data.
8. Sofer M. : The Translator's Handbook Schrieber Publication.
9. Nida, EV : The Theory and Practice of Translating Leiden Taber E.J. Bule

10. Bell, Roger D : Translation & Translator, Longmans Group Ltd. U.K.

11. Robinson, D. : Becoming a Translator, Routledge, U.K.& Robinson D. An Accelerant Course.

12. Frishberg N.J : Interpreting : An Introduction, Registry of Interpreters.

**प्रश्नपत्र-चार पुनरीक्षण व संपादन 50 अंक 3 घंटे**

**(क) 20 अंक**

1. पुनरीक्षण : तात्पर्य और विधियाँ
2. पुनरीक्षण के सिद्धांत
3. अनुवाद - भाषा का संरचनात्मक, सांस्कृतिक व प्रयोगात्मक स्वरूप, मानक वर्तनी व मानक भाषा -स्वरूप, आवश्यकता

**(ख) 30 अंक**

अँग्रेजी व हिंदी अनुवाद
(दो अवतरणों का) पुनरीक्षण व अनूदित पाठ का संपादन

**सहायक ग्रंथ**

1. रामचंद्र वर्मा : अच्छी हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. हरदेव बाहरी : शुद्ध हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद



3. देवनागरी लिपि और हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

4. रामचंद्र वर्मा : शब्दार्थ दर्शन, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद

5. Sharma A : A Basic Grammar of Hindi Language, Central Hindi, Directorate, R.K. Puram, New Delhi.

6. Rainer N. : Echos of Translation : Reading between Texts, John Hopkins University Press, Baltimore, U.S.A

7. Biguenet, John : The Craft of Translation, Rainir Schulte (Editors) Chicago Guide to Writing, Editing & Publishing, University of Chicago Press, U.S.A

**प्रश्नपत्र-पाँच अनुवाद मूल्यांकन व अनुवाद का 75 अंक 3 घंटे**

**व्यावसायिक परिदृश्य**

**(क) 40 अंक**

1. अनुवाद मूल्यांकन की अवधारणा, पुनरीक्षण व मूल्यांकन में अंतर
2. अनुवाद मूल्यांकन के सिद्धांत
3. अनुवाद मूल्यांकन की विधियाँ

( ख ) अँग्रेजी और हिंदी मूल के अनूदित हिंदी और अँग्रेजी पाठों का मूल्यांकन
( अ ) सृजनात्मक रचना ( आ ) विज्ञान/तकनीकी साहित्य

**15 अंक**

**( ग )** भारत का भाषायी परिदृश्य, हिंदी द्विभाषिकता एवं बहुभाषिकता, भाषिक संस्कृति और अनुवाद, अनुवाद और प्रतिलिप्यिधिकार; भारत में मशीनी अनुवाद : स्थिति व संभावनाएँ अनुवाद का व्यावसायिक परिदृश्य - भारत में अनुवाद कार्य की प्रासंगिकता, अनुवाद संस्थाएँ और उनके कार्य क्षेत्र, अनुवाद संघ, अनुवादक अर्हताएँ एवं आजीविका की संभावनाएँ

**20 अंक**

**सहायक ग्रंथ**


1. Cary, E & Jump R.N: Quality in Translation, Macmillan, New York
2. Juliana House : A Model for Translation Quality Assessment, TBL Verlag Gunter, Tubingen
3. Carroll, J.S : Experiment in Evaluating the Quality of Translation
4. Graham, Joseph: Difference in Translation, Cornell University Press, N.Y.
5. Partridge, E. : Usage and Abusage, Penguin Book, New York
6. कृष्णगोपाल अग्रवाल: अनुवाद और प्रतिलिप्यधिकार, अनुवाद त्रैमासिक वर्ष, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली





7. Fower, H.N : Modern English Usage, Oxford University Press, Oxford.


**प्रश्नपत्र-छः: परियोजना 50 अंक + 50 अंक**

**प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नलिखित क्षेत्रों में से किसी एक का चयन करना होगा।**

1. सृजनात्मक साहित्य
2. ज्ञान- विज्ञान साहित्य/मानविकी/समाजशास्त्र/राजनीतिशास्त्र/दर्शन आदि तथा
3. विज्ञान संबंधी किसी भी शाखा का संबद्ध साहित्य
4. तकनीकी साहित्य
5. जनसंचार माध्यमों से संबद्ध प्रकाशित भाषिक साहित्य
6. विधि शास्त्र

उपर्युक्त विकल्पों में से चयन किये गये विकल्प में से निम्नलिखित कोई दो परियोजना-कार्य

1. अंतरण
2. रूपांतरण
3. सारानुवाद
4. पुनरीक्षण
5. मूल्यांकन
6. संपादन

परियोजना के संबंध में भाषिक सामग्री की प्रकृति और सीमा आदि का निर्धारण विभाग द्वारा किया जाएगा। दो परियोजनाओं में से एक दिसंबर माह में और दूसरी मार्च में प्रस्तुत करनी होगी। प्रत्येक परियोजना 50 अंक की होगी।

**परियोजना कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :**

शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थी को दो परियोजना-कार्य प्रस्तुत करने होगें। पहले परियोजना कार्य की अवधि नवम्बर तक और दूसरी परियोजना की अवधि मार्च है।

**प्रथम परियोजना कार्य** के लिए निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन करना होगाः

1. अँग्रेजी से हिंदी अथवा हिंदी से अँग्रेजी में अंतरण
2. सारानुवाद

**द्वितीय परियोजना कार्य** में निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन करना होगाः

1. पुनरीक्षण 2. मूल्यांकन 3. सम्पादन

प्रत्येक परियोजना के निम्नलिखित पाँच खण्ड होंगे।

क : परियोजना का क्षेत्र
ख : मूल परियोजना
ग : विवेचन/विश्लेषण
घ : उपलब्धि
ङ : उपकरण

प्रत्येक परियोजना में विविध खण्डों का विवरण परियोजना की भूमिका में अपेक्षित है। द्वितीय खंड मूल कार्य से संबंधित है। पाँचवा खण्ड परियोजना का परिशिष्ट होगा।



**प्रथम परियोजना कार्य** यह परियोजना भाषिक अन्तरण से संबद्ध है। इसमें अंग्रेज़ी-हिंदी पाठ का हिंदी/अँग्रेजी पाठ में अन्तरण अपेक्षित है। इस परियोजना के खण्ड हैः

**प्रथम खण्ड : परियोजना का क्षेत्र**

इसमें परियोजना का उद्देश्य और अनुवाद संबंधी सैद्धान्तिक विवेचन है। इसमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर विवेचन अपेक्षित है :

(क) मूल पाठ की विषय-वस्तु, पाठ की प्रकृति।
(ख) अनुवाद की अवधारणा, अन्तरण, पतिस्थापन, पुनर्लेखन।
(ग) अनुवाद की इकाई : पद, पदबंध, उपवाक्य, वाक्य, प्रोक्ति व पाठ।

**द्वितीय खण्ड :** मूल परियोजना। स्रोत पाठ के प्रत्येक पृष्ठ और अनुच्छेद की संख्या लक्ष्य पाठ के संबद्ध स्थान/पृष्ठ के हाशिए पर निर्दिष्ट है।

**तृतीय खण्ड :** विवेचन/विश्लेषण

स्रोत पाठ के उन अंशों और अभिव्यक्तियों का विश्लेषण और लक्ष्यपाठ में उनके अन्तरण का निर्देश हो जहाँ-

(क) स्रोत पाठ की भाषिक संरचना के अन्तरण से लक्ष्य भाषा में स्वाभाविकता और बोधगम्यता है।

(ख) स्रोत पाठ में आए मुहावरों, लोकोक्तियों, विशिष्ट अभिव्यक्तियों, उद्धरणों, अन्तर्भाषिक पाठ आदि के कारण लक्ष्य भाषा में इनका समुचित प्रतिस्थापन/अन्तरण नहीं हो पा रहा है।

(ग) स्रोत पाठ में सांस्वछ्रतिक-सामाजिक सन्दर्भों से जुड़ी अवधारणओं/अभिव्यक्तियों के अनुवाद की विधि, अनुवाद संवंधी टिप्पणी आदि का लक्ष्य पाठ में उल्लेख।

(घ) स्रोत पाठ को अद्यतन बनाने या नया रूप देने का लक्ष्य पाठ में प्रयास।

(ड़) स्रोत पाठ के सृजनात्मक/साहित्यिक अभिव्यक्ति के अन्तरण/पुनर्लेखन में सृजनात्मकता का प्रयोग।

(च) स्रोत पाठ के अनुवाद न किए जा सकने वाले अंश/अभिव्यक्ति जिनको लक्ष्य पाठ में छोड़ दिया है या नए ढ़ंग से समाहित किया गया है।

(छ) रूपान्तरण में स्रोत पाठ की विशेषताओं का विश्लेषण और लक्ष्य पाठ में उनके समायोजन का निर्देश।

उपर्युक्त सभी बिन्दुओं के विवेचन/विश्लेषण में स्रोत और लक्ष्य पाठों से पर्याय उदाहरण अपेक्षित हैं।

**चतुर्थ खण्ड: उपलब्धि**

स्रोत पाठ और लक्ष्य पाठ का 'समतुल्यता' के प्रतिमान की दृष्टि से उन अंशों, अभिव्यक्तियों का निर्देश जहाँ लक्ष्य पाठ में अनुवाद का स्तर गुणात्मक रूप से अधिक अच्छा बना है। प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ खण्डों का विवरण 'भूमिका' के रूप में देना होगा। द्वितीय सोपान मूल कार्य है। पंचम सोपान परिशिष्ट में होगा।



**पंचम खण्ड : उपकरण**

(क) कोशों का विवरण (कम से कम पाँच कोश : एक भाषी और द्विभाषीय शब्दार्थ कोश)
(ख) सहायक/संदर्भ ग्रंथ-सूची (यदि अपेक्षित है)
(ग) स्रोत पाठ के विशिष्ट पारिभाषिक/मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि के
साथ-साथ लक्ष्य पाठ में उनके लिए प्रयुक्त प्रति-अभिव्यक्तियाँ। (कम से कम पचास)

**द्वितीय परियोजना** : यह परियोजना लक्ष्य पाठ को अनुवाद मूल्यों के आधार पर देखने की है। इसमें स्रोत पाठ के आधार पर लक्ष्य पाठ का पुनरीक्षण, मूल्यांकन और सम्पादन जैसी प्रक्रियाएँ निहित हैं।

**इस परियोजना में दो विकल्प हैं।**

**विकल्प : एक : पुनरीक्षण परियोजना :**

**प्रथम खण्ड : इसमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार अपेक्षित है :**

**(क) स्रोत और लक्ष्य पाठ की विषय-वस्तु**
**(ख) पुनरीक्षण की अवधारणा और आवश्यकता**
**(ग) पुनरीक्षण की विधि**

**द्वितीय खण्ड : मूल परियोजना : स्रोत पाठ के आधार पर लक्ष्य पाठ के एक से अंश जहाँ पुनरीक्षण अपेक्षित है।**

(क) वर्तनी/व्याकरण/वाक्य-रचना आदि से सम्बद्ध त्रुटियों का अपेक्षित निर्देश। मूल स्रोत पाठ की पृष्ठ संख्या, पंक्ति संख्या और लक्ष्य पाठ में उससे संबद्ध पृष्ठ और पंक्ति संख्या का निर्देश पुनरीक्षण कार्य किए जाने वाले पृष्ठ के हाशिए पर हो।

(ख) स्रोत पाठ के ऐसे अंश जिनको लक्ष्य पाठ में छोड़ दिया गया है।

(ग) स्रोत पाठ के ऐसे अंश जिनमें लक्ष्य पाठ से सूचना/विचार/अभिव्यक्ति के स्तर पर अधिक परिवर्तन किया गया है।

**तृतीय खण्ड : विवेचन विश्लेषण**

स्रोत और लक्ष्य पाठों में समतुल्यता के आधार पर ऐसे अंशों का विवेचन/विश्लेषण अपेक्षित है जहाँ

(क) सम्प्रेष्य/बोध के स्तर पर अस्पष्टता है।

(ख) लक्ष्य पाठ की भाषिक संरचना दोषपूर्ण है।

(ग) लक्ष्य पाठ का अंश जहाँ स्रोत पाठ का अर्थ ठीक से अनुवादक ग्रहण न कर सका हो।

(घ) मुहावरों/लोकोक्तियों आदि के लक्ष्य पाठ में अन्तरण।

(ड़) स्रोत पाठ में आए उद्धरण/अन्तरभाषिक पाठ आदि के लक्ष्य पाठ में अन्तरण।

(च) स्रोत पाठ में आए सर्जनात्मक भाषिक प्रयोगों की लक्ष्य पाठ में अन्तरण।

**चतुर्थ खण्ड : उपलब्धि**

(क) लक्ष्य पाठ और स्रोत पाठ के भाषिक स्तर की तुलना।

(ख) लक्ष्य पाठ के संशोधित पाठ की गुणवत्ता अपेक्षित का ज्ञान।



**अनुवाद में सहायक उपकरणों के प्रयोग**

(क) कोश, संदर्भ-ग्रंथ आदि की सूची।

(ख) लक्ष्य पाठ में आए विशिष्ट भाषिक प्रयोग जिन पर मूल पाठ भाषा का प्रभाव है। (कम से कम 20)

(ग) लक्ष्य भाषा की प्रकृति के अनुसार स्रोत भाषा से भिन्न अभिव्यक्तियाँ। (कम से कम 10)

**विकल्प 2 : मूल्यांकन : परियोजना**

स्रोत पाठ के आधार पर लक्ष्य पाठ में अनुवाद के स्तर की गुणवत्ता की जाँच इस परियोजना का लक्ष्य है। इसमें लक्ष्य पाठ की पाठधर्मिता का आंकलन करने के लिए निम्नलिखित सोपान है।

**प्रथम खण्ड** : निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार अपेक्षित है।

(क) स्रोत पाठ और लक्ष्य पाठों की विषय-वस्तु और पाठ की प्रकृति

(ख) मूल्यांकन की विधि और अनुवाद-मूल्य

(ग) मूल्यांकन की अवधारणा और आवश्यकता

**द्वितीय खण्ड : मूल परियोजना**

लक्ष्य पाठ का मूल्यांकन, पाठधर्मिता और प्रभावधर्मिता की दृष्टि अपेक्षित हैं। इसके दो चरण होंगे। पहले चरण में लक्ष्य पाठ में आए वर्तनी, व्याकरण, भाषिक प्रयोग आदि के आधार पर लक्ष्य पाठ का संशोधन होगा। इसके लिए लक्ष्य पाठ के अपेक्षित अंशों का निर्देश और उनके संशोधित रूप का विवेचन करना होगा। साथ ही पाठधर्मिता के आधार पर लक्ष्य पाठ का मूल्यांकन अपेक्षित है।

**तृतीय खण्ड : विवेचन/विश्लेषण**

अनुवाद-मूल्यों के आधार पर तथा अनुवाद की विधि के आधार पर लक्ष्य पाठ की गुणवत्ता का निर्धारण अपेक्षित है।

**चतुर्थ खण्ड : उपलब्धि**

**(क)** लक्ष्य पाठ में अनुवाद मूल्यों की दृष्टि में आए ऐसे अंश जो स्रोत पाठ की तुलना में अधिक सक्षम हैं।

**(ख)** 'क' में दिखाए गए अंशों के अन्य वैकल्पिक पाठ जिनसे लक्ष्य पाठ की गुणवत्ता बढ़ सकती है।

**पंचम खण्ड : परिशिष्ट**

**(अनुवाद में सहायक उपकरण)** कोश, संदर्भ-ग्रंथ आदि का विवरण अपेक्षित है।

**विकल्प 3 : सम्पादन**

लक्ष्य पाठ को अन्य वैकल्पिक पाठ के रूप में प्रस्तुत करने की क्षमता का विकास इस परियोजना का उद्देश्य है। सम्पादन का काम इसलिए लक्ष्य पाठ का प्रति पाठ बनाना है। इस दृष्टि से इस परियोजना में पांच खण्ड होंगे।

**प्रथम खण्ड :**

स्रोत और लक्ष्य पाठों की विषय-वस्तु और पाठ की प्रकृति, सम्पादन की अवधारणा और आवश्यकता, सम्पादन की दृष्टि और विधि।



**द्वितीय खण्ड : मूल परियोजना**

(क) पाठधर्मिता के आधार पर सम्पादन, पाठधर्मिता की अपेक्षाएँ, लक्ष्य पाठ के सम्पादन की दृष्टि से अभीज्ट अंशों का निर्देश और उनके सम्पादित पाठ और सम्पादन का आधार सम्पादित पाठ।

(ख) अभीष्ट पाठक की दृष्टि से सम्पादन, अभीष्ट पाठक की अवधारणा और अपेक्षाएँ, लक्ष्य पाठ के ऐसे अंश जिनका सम्पादन अपेक्षित है, सम्पादन का आधार। सम्पादित पाठ।

**तृतीय खण्ड : विवेचन/विश्लेषण**

लक्ष्य और स्रोत पाठ के सन्दर्भ में अनूदित पाठ के सम्पादन और सम्पादित पाठ की पाठधर्मिता का विश्लेषण।

**चतुर्थ खण्ड : सम्पादित पाठ की विशेषताएँ**

**पंचम खण्ड : परिशिष्ट**

**अनुवाद में सहायक उपकरण :**

कोश, संदर्भ-ग्रंथ आदि का विवरण।

लक्ष्य पाठ से भिन्न सम्पादित पाठ में आई विशिष्ट भाषिक अभिव्यक्तियाँ (कम से कम 20) और

भाषाओं की प्रकृति के अनुसार सम्पादित पाठ और स्रोत भाषा की भिन्न अभिव्यक्तियाँ (कम से कम 10) होंगी।

**प्रश्नपत्र-सात** **सत्रीय परीक्षण** **50 अंक + 50 अंक**

मूल्यांकन और मौखिकी

| | |
|---|---|
| (क) सत्रीय परीक्षण | 25 अंक |
| (ख) आंतरिक मूल्यांकन (कक्षा कार्य के आधार पर) | 25 अंक |
| (ग) मौखिकी | 50 अंक |

आंतरिक मूल्यांकन विभाग द्वारा नियुक्त आंतरिक परीक्षकों द्वारा किया जाएगा तथा मौखिकी के लिए एक आंतरिक एवं एक बाह्यपरीक्षक होगा।

Note:

(a) The Project work must be presented duly bound in a proper manner and bear the Certificate of the Supervisor that the work has been done by the student himself.

(b) A student who fails to submit the project work within the prescribed time may be permitted to appear in the next annual examination as an ex-student provided he completes the project work in accordance with the requiste conditions and submits the same duly forwarded by his supervisor on or before the prescribed date of that year.

(c) A student who submits his project work duly forwarded by his supervisor and secures pass marks (40%) in written paper but fails or does not appear in ensuing examination shall be permitted to appear as an ex-student next year in paper I,II,III,IV,V. He will also have to appear in viva-voce afresh.



(d) The marks obtained by him in paper VII and marks in his previous sessional work internal assesment shall be taken into account for computing his result for that year.

(e) The Student will have to secure at least 40% marks in each written paper and 50% marks in sessional work and 50% marks in viva-voce separately to pass the examination.

## 6. हिन्दी भाषा-शिक्षण पाठ्यक्रम

## HINDI TEACHING PROGRAMME

The Department runs **three courses** of one year each in Hindi Language for Foreigners and Non-Hindi Speaking Indian Students :

1. Certificate Course in Hindi
2. Diploma Course in Hindi
3. Advance Diploma Course in Hindi.

**Admission Procedure**

Application form can be had from the office of the Department by paying Rs. 75/- in cash (Room No. 14, Faculty of Arts, Main Campus ) and should be submitted by 31st July every year.

Foreigner Students should send their applications through Foreign Student Advisor (F.S.A.) of Delhi University.

**Minimum Qualification for Admission.**

1. Certificate Course (i) Sr. Secondary/Class XII of equivalent examination (10+2)
2. Diploma (i) Certificate Course in Hindi, University of Delhi or equivalent thereof. In case the students has not passed any

Certificate/ Diploma examination in Hindi of any University he has to appear in the test. The Test will be conduct by the Department for this purpose.

3. Advance Diploma Course (iii) Diploma in Hindi or equivalent thereof. In case the student has not passed any Certificate/ Diploma exams. in Hindi of any university/ Institute the Department will hold a test for such student.

### Interviews

All Students fulfilling the required qualifications will present themselves before and Admission Committee Constituted for this purpose by the Head of the Department.

### Attendance

75% Attendance in classes necessary for the eligibility to appear in the annual examination.

### Schedule of Examintaion

The schedule of Examination will be notified by the Head of the Department. Normally the examination are held in the last week of March every year.

### Reading Programmes

The classes will commence w.e.f. the second week of August every year between 2.00 to 5.00 P.M.

### Fee

| | | |
|---|---|---|
| Fee for Foreign Student | : | 100 (Doller) |
| Admision Fee | : | Rs. 15.00 |
| Enrolment Fee | : | Rs. 100.00 |
| Tution Fee | : | Rs. 135.00/90.00 |
| Athletics Fee | : | Rs. 5.00 |
| Exams. Fee | : | Rs. 85.00/155.00 |
| Marks Statement Fee | : | Rs. 10.00 |
| University Development | : | Rs. 200.00 |



### Language Exposure Programmes

The Department arranges visits study tour to any cultural/social functions for long exposure to the students. In or around Delhi.

## प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (एकवर्षीय)

CERTIFICATE COURSE (ONE YEAR)

प्रश्नपत्र-एक <u>वार्तालाप तथा देवनागरी लिपि</u>

पूर्णांक : 100 समय : 3 घंटे

(क) वार्तालाप (प्रारंभिक स्तर) अंक 60

1. परिचय
2. मेरा परिवार
3. मेरा दैनिक कार्यक्रम
4. रेस्तरां
5. दुकान में (सब्जी/फल की दुकान, नाई की दुकान, ड्राई क्लीनर्स)
6. टेलीफोन/मोबाइल पर बातचीत
7. डाकघर/बैंक
8. रेलवे स्टेशन/मैट्रो/यातायात के अन्य साधन
9. अस्पताल
10. चिड़ियाघर

(सामग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी।)

(ख) देवनागरी लिपि — अंक 20

**हिंदी वर्ण-व्यवस्था**
**हिंदी स्वर-व्यंजन**
**व्यंजन गुच्छ/संयुक्त व्यंजन**
**अनुस्वार, अनुनासिक**
**विदेशी ध्वनियों का देवनागरी लिप्यंतरण**
**वर्ण लेखन विधि**
**हिंदी विराम चिह्न**

(ग) हिंदी की आधारभूत शब्दावली — अंक 20

सहायक ग्रंथ:


- देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, U.P
- Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
- English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
- Fairbanks, G & Mishra, B.G. : Spoken and written Hindi Cornell University Press, Ithaca, New York
- Fairbanks, G & Pandit, P.B. : A Spoken Approach, Deccan College, Pune
- Gumperz and Rumery : Conversational Hindi-Urdu, Radha Krishna Prakashan, Darya Ganj, New Delhi
- McGregor, R.S. : Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford , England.
- Verma, Vimlesh Kanti : Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publications, New Delhi




प्रश्नपत्र-दो — व्यावहारिक व्याकरण तथा रचना

पूर्णांक-100 — समय- 3 घण्टे

(क) हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण (प्रारंभिक स्तर) अंक 60

1. हिंदी संज्ञा शब्द- लिंग ज्ञान, वचन ज्ञान
2. सर्वनाम
3. विशेषण
4. क्रिया- क्रियार्थक संज्ञा, मूल क्रिया, संयुक्त क्रिया
   **आज्ञार्थक, इच्छार्थक, प्रेरणार्थक रूप**
   **सकर्मक, अकर्मक क्रियाएँ, क्रियाओं का काल संबंधी ज्ञान**
5. क्रियाविशेषण
6. योजक
7. विस्मयादि बोधक

कारक चिन्ह्- संज्ञा व सर्वनाम के कारकीय रूप
पद विन्यास- पदक्रम व पद अन्विति
शब्द निर्माण- उपर्सग व प्रत्यय ज्ञान

**(ख) रचना** — **अंक 40**

(अ) पत्र लेखन (व्यक्तिगत), स्ववृत्त लेखन, किसी दृष्य का वर्णन
(आ) अध्ययन सामग्री के आधार पर वर्णन
(इ) मुहावरे व लोकोक्तियों का प्रयोग

**सहायक ग्रंथ:**


- Bahri, Hardeo; Learner's Hindi-English Dictionary, Rajpal & Sons, Kashmiri Gate, Delhi.
- Kellog, S.H. : A Grammar of Hindi Language, Kegan Paul, Trench Trubner & Co.Ltd., England

- Lutze, Lothar & Singh Bahadur, Hindi as a Second Languge, Patterns and Grammatical Notes, Radha Krishna Prakashan, Delhi.
- McGregor, R.S. : Outline of Hindi Grammar, Oxford University Press, Oxford , England.
- Sharma Aryendra : A basic Grammar of Hindi language, Central Hindi Directorate, R.K.Puram, New Delhi.


प्रश्नपत्र-तीन भारतीय संस्कृति व जन जीवन अंक 100

खण्ड-1

(क) भारतः देश व निवासी अंक 25

- **भारत देश, राजधनी, राज्य, महानगर व महत्त्वपूर्ण दर्शनीय स्थल**
- **भारतीय भाषाएँ**
- **प्रमुख हिंदी लेखक**
- **भारतीय पर्व, उत्सव और मेले**
- **भारतीय समाज**
- **प्रतिष्ठित भारतीय**
- **प्रमुख दर्शनीय स्थल**

(ख) भारतीय लोककथाएँ (दस लोककथाएँ) अंक 25

**सहायक ग्रंथः**


- India 2006, Publications Divisions, Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India, Suchna Bhavan, C.G.O. Complex, New Delhi.
- Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publications, New Delhi.




खण्ड-2

मौखिकी परीक्षा अंक 50

1. **व्याकरण (शब्द रचना संबंधी प्रश्न)**
2. **भाषा और प्रयोग (भाषा का सामाजिक संदर्भ)**
3. **किसी घटना/स्थान का वर्णन**

**श्रवण कौशल का ज्ञान- टेपांकित अंश को सुनाकर प्रश्न पूछना**

## एक वर्षीय हिंदी उपाधिपत्र पाठ्यक्रम
## ONE YEAR DIPLOMA COURSE IN HINDI

प्रश्नपत्र-एक हिंदी वार्तालाप (माध्यमिक स्तर) व रचना

पूर्णांक 100 समयः 3 घंटे

खण्ड-1

वार्तालाप अंक 50

**(क) हिंदी वार्तालाप (माध्यमिक स्तर)**

**(किसी नाटक/फिल्म के माध्यम से) संवादों को समझना**

**(ख) पारस्परिक वार्तालाप- विविध संदर्भ**

खण्ड-2

रचना अंक 50

**(क) कार्यालयी पत्र लेखन**

**(ख) रिपोर्ट लेखन**

**(ग) संवाद लेखन**

**(घ) निबंध लेखन**

**(ङ) भाषण**

**(सामग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी।)**

सहायक ग्रंथः


- Harris & Sharma: A Basic Hindi Reader, Cornell University Press, Ithaca, New York.

- Southworth: The Student's Hindi-Urdu Reference Manual, University of Arizona Press, Tucson.

**प्रश्नपत्र-दो** **व्यावहारिक व्याकरण (माध्यमिक स्तर) एवं हिंदी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा**

**पूर्णांक 100** **समय: 3 घंटे**

## खण्ड-1

**(क) व्यवहारिक व्याकरण** **अंक 50**

1. शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय,संधि और समास
2. शब्दार्थ ज्ञान - पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थता, शब्दों की अर्थ छवियों का ज्ञान
3. क्रिया - काल एवं वृत्ति
4. वाच्य
5. वाक्य विश्लेषण - पद-क्रम, अन्विति, निकटस्थ अवयव
6. खण्ड्येतर स्वनिम - अनुनासिकता, दीर्घता, बलाघात्, संगम

**(ख) हिंदी वर्तनी और उसका मानकीवृत रूप**

**(ग) भाषा का सामाजिक संदर्भ और विविध भाषा प्रयोग**

**(घ) पारिभाषिक शब्दावली एवं उसकी संरचना**

**सहायक ग्रंथः**

- वर्मा, धीरेन्द्रः हिंदी भाषा और लिपि, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
- वर्मा, धीरेन्द्रः ग्रामीण हिंदी, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
- वर्मा, धीरेन्द्रः हिंदी साहित्य कोश भाग-1 एवं 2, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
- Bender, E: Hindi Grammar and Reader, Universtiy of Pensylvania Press, Philadelphia, U.S.
- Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi.



## खण्ड-2

**हिंदी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा** **अंक 50**

1. हिंदी-भौगोलिक क्षेत्र, भाषिक विकास, हिंदी, उर्दू, हिन्दुस्तानी, हिंदी की संवैधानिक स्थिति, हिंदी की प्रमुख बोलियाँ व साहित्यिक रूपों का संक्षिप्त परिचय
2. हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन, प्रमुख हिंदी लेखक व उनकी कृतियों का संक्षिप्त परिचय
3. हिंदी की विविध साहित्यिक विधाएँ- काव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र, पत्र-लेखन

**सहायक ग्रंथः**

- Mc. Gregor, R.S. An outline of the History of Hindi Literature, S.S. Publication, Delhi.
- Mc. Gregor, R.S. Hindi Literature from its beginning to the 19th Century Wisebadan, Harassowitz.
- Keay, F.E. : A history of Hindi Literature Association Pree, Calcutta/Award Publishing, New Delhi.
- Dwivedi R.A. : A critical survey of Hindi Literature, Motilal Banarsidas, Delhi.

**प्रश्नपत्र-तीन** **हिंदी साहित्य व परियोजना-कार्य**

**पूर्णांक 100** **समय: 3 घंटे**

**(क) साहित्य का आस्वाद विविध संपावित रचनाओं का** **अंक 50**

**काव्य खंड** (आधुनिक काव्य)

**गद्य खंड** (कहानियाँ, नाटक, एकांकी, डायरी, पत्र, यात्रावृत्त)

(सामाग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी)

**(ख) परियोजना/सत्रीय कार्य** **अंक 50**

(1) हिंदी समाचार पत्र- अध्ययन-विश्लेषण

1.1.2

विविध विषयों से संबंधित शब्दावली, प्रयुक्ति, वाक्य संरचना, परिवर्णी आदि का अध्ययन, अँग्रेजी हिंदी समाचार पत्रों में अंतर, प्रमुख हिंदी समाचार पत्रों का परिचय

(2) विज्ञापन में हिंदी- अध्ययन-विश्लेषण (मुद्रित तथा इलेक्ट्रॉनिकी)

**सहायक ग्रंथ:**


- Masica,C. & Naim, C.M.: Hindi Newspaper Reader, University of Chicago Press, Chicago.
- Nilson Usha: Readings in Hindi Literature, Indian Languages and Area Centre, University of Wisconin. Wisconin
- Nilson Usha: Intermediate Hindi, Indian Languages and Area Centre, University of Wisconsin. Wisconsin.
- Zide, Norman, Masica, C. & Bahal, K.C.: Premchand Reader, East-west Center, University of Hawai, Honolulu.


## एक वर्षीय हिंदी उच्चतर उपाधिपत्र पाठ्यक्रम
## ONE YEAR ADVANCE DIPLOMA COURSE IN HINDI

**प्रश्नपत्र- एक हिंदी वार्तालाप (उच्चतर स्तर) एंव**

**पूर्णांक 100** **समय: 3 घंटे**

### हिंदी की भाषिक संरचना

**(अ) हिंदी वार्तालाप (उच्चतर स्तर)** **अंक 50**

(क) वार्तालाप- विविध प्रसंग

1. रेडियो नाटक
2. टेलीविजन सीरियल/फिल्म/संवाद/समाचार समझाना

समझना

3. टेलीफोन
4. बाजार, रेस्टरां बस ट्रेन में

टेपांकित सामग्री और उसका विश्लेषण



(ख) भेंट-वार्ता एवं समाचार

(ग) हिंदी की विविध प्रयुक्तियाँ और अभिव्यक्तियाँ

**(आ) हिंदी की भाषिक संरचना और भाषा-प्रयोग** **अंक 50**

(i) व्याकरणिक प्रयोग एवं भाषिक विश्लेषण (गद्यांश/पद्यांश)

(ii) हिंदी की विविध प्रयुक्तियाँ, बोलचाल की हिंदी, साहित्यक हिंदी, विज्ञापन हिंदी, कार्यालयी हिंदी

**सहायक ग्रंथ:**


- बाहरी, हरदेव : बृहत् अंग्रेज़ी-शब्द कोश, खण्ड 1 एवं 2 ज्ञानमण्डल, वाराणसी
- Mc Gregor, R.S.: Oxford Hindi- English Dictionary, Oxford University Press, Oxford.
- Pattanayak, D.P. & Kurl.S. : Advance Hindi Reader, Deccan College, Poona.
- Verma, Vimlesh Kanti : Learner's Hindi- English Dictionary, Dreamlamd Publications, New Delhi.


**प्रश्नपत्र-दो हिंदी साहित्य का अध्ययन**

**पूर्णांक 100** **समय: 3 घंटे**

**हिंदी काव्य** **अंक 50**

प्राचीन साहित्य- अमीर खुसरो, कबीर, तुलसी, सूर, मीरा, रसखान, बिहारी

आधुनिक साहित्य- भारतेंदु, प्रसाद, पंत, निराला, बच्चन, भवानी प्रसाद मिश्र, अज्ञेय आदि

(सामग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी।)

**हिंदी गद्य** **अंक 50**

प्रेमचंद तथा अन्य कहानीकारों की पांच कहानियों का अध्ययन-विश्लेषण (सामग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी।)

- वर्मा, धीरेन्द्र : हिंदी साहित्य कोश भाग 1 एवं 2, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
- Pandey S.M. & Zide, Norman : A Surdas Reader, South Asia Language and Area Center, University of Chicago, Chicago.
- Zide, Norman, Masica, C & Behal, K.C. : Premchand Reader, East-West Center Press, University of Hawai, Honolulu.
- Mc. Gregor, R.S. An outline of the History of Hindi Literature, S.S Publication, Delhi
- Mc. Gregor, R.S. Hindi Literature from its beginning to the 19th Century Wisebadon, Harassowiz.
- Keay, F.E.: A history of Hindi Literature, Association Press, Calcutta/Award Publication, New Delhi.
- Dwivedi R.A. : A critical survey of Hindi Literature, Motilal Banarsidas, Delhi.

**प्रश्नपत्र-तीन** <u>**परियोजना कार्य**</u>

**पूर्णांक 100** **समयः 3 घंटे**

**परियोजना कार्य : किन्हीं दो, विषयों पर परियोजना पर कार्य करना अनिवार्य है।**

(क) हिंदी की किसी महत्वपूर्ण वृति के बारे में लघु निबंध लगभग 25 पृष्ठ

(ख) समाचार पत्रों से 500 शब्दों का चयन, वर्णक्रमानुसार, संयोजन और उनकी अर्थछवियों का वाक्य प्रयोग देकर लघुकोश निर्माण करना।

(ग) सात हिंदी विज्ञापनों का चयन एवं विश्लेषण

(घ) किन्हीं पाँच उत्पादों की विज्ञापन-प्रस्तुति

(ङ) अपनी भाषा की किसी लघु रचना का हिंदी में अनुवाद (मूल पाठ के साथ)

लगभग 20 पृष्ठ

**सहायक ग्रंथः**

- Chandola, Anoop : A Systematic Translation of Hindi-Urdu into English, University of Arizona Press, Tucson, U.S.A.



**प्रश्नपत्र-चार** <u>**भारतीय संस्कृति**</u>

**पूर्णांक 100** **समयः 3 घंटे**

**(क) भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता** **अंक 50**

1. भारत का संक्षिप्त इतिहास
2. भारतीय दर्शन
3. भारतीय चिंतन एवं आचार्य
4. भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय
5. भारतीय कलाएँ संगीत, नृत्य, वास्तु, स्थापत्य (सामान्य परिचय)
6. भारतीय वेशभूषा
7. भारतीय भोजन
8. भारतीय वाङ्मय के प्रमुख ग्रंथ
9. प्रमुख ऐतिहासिक स्थल

**(ख) मौखिकी** **अंक 50**

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता विषयक विविध प्रश्नों के मौखिक उत्तर

**सहायक ग्रंथः**

<u>Paper-IV</u>

- India 2006, Publication Division Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India Suchana Bhavan, New Delhi.